तेरी शरण में आयो श्याम | By Krishna Agarwal

तेरी शरण में आयो श्याम
तेरा सारे जग में नाम
मेरा सारो बिगड़ा काम
सुनले संवावीर्य हो सुनले सांवरिया
सुनले संवावीर्य हो सुनले सांवरिया

बाबा जब भी कदम बढ़ाऊं
मुंह के बल ही गिरता जाऊं
रास्ता कोई समझ ना पाऊं सुनले सांवरिया
आंसू बरसे जैसे नीर
मेरी समझे ना कोई पीर
आजा लीले वाले वीर
सुनले संवावीर्य हो सुनले सांवरिया

जीवन नैया डगमग डोले
दिल ये खावे है हिचकोले
विपदा सर पे चढ़के बोले सुनले सांवरिया
साँसों की टूटी पतवार
अब तो आजावो सरकार
मांझी बनकर कर दो पार
सुनले संवावीर्य हो सुनले सांवरिया

संगी साथी हुए पराये
भाई बंधू आँख दिखाए
दुनिया दुत्कारे ठुकराए सुनले सांवरिया
तुझपे छाले सारो जोर
तेरे हाथों में है डोर
मुझे खींच ले अपनी और
सुनले संवावीर्य हो सुनले सांवरिया

मत ना देर करो बनवारी
देवो मोरछड़ी फटकारी
मेटो तरुण की चिंता भारी सुनले सांवरिया
तेरे होते मेरी हार
कैसे कर लूँ ये स्वीकार
कृष्णा की कुछ तो सोच विचार
सुनले संवावीर्य हो सुनले सांवरिया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-krishna-agarwal/